गोकुल की गलियों में | By Mukesh Bagda

गोकुल की गलियों में लुकछुप
खेले रहे हैं खेल रहे बनवारी
ऐसे हैं मेरे कृष्ण मुरारी
ऐसे हैं मेरे कृष्णा मुरारी

मात यशोदा पलना झुलावे
बाबा नन्द जी चलना सिखावे
ग्वाल बाल संग माखन खाते
ग्वालिन के घर देखो
वो फोड़ रहे हैं मटकी को
वो फोड़ रहे है मदन मुरारी
ऐसे हैं मेरे कृष्ण मुरारी
ऐसे हैं मेरे कृष्णा मुरारी

ग्वाल संग खेलत देखो
गेंद गई यमुना में
काली देह में कूद के देखो
नाग का मर्दन करके
वो नाच रहे हैं फन के ऊपर
नाच रहे हैं कुञ्ज बिहारी
ऐसे हैं मेरे कृष्ण मुरारी
ऐसे हैं मेरे कृष्णा मुरारी

मित्र सुदामा जब दर आया
देख सखा को मन हर्षाया
देख सुदामा की दीन दशा को
प्रभु का दिल भर आया
वो धोने लगे देखो अमन
वो धोने लगे हैं अंसुवन से
वो धोने लगे हैं चरण मुरारी
ऐसे हैं मेरे कृष्ण मुरारी
ऐसे हैं मेरे कृष्णा मुरारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%95%e0%a5%81%e0%a4%b2-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%97%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-mukesh-bagda/